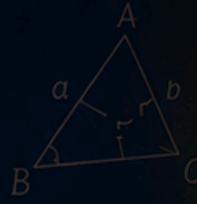


$$a^2 + b^2 = c^2$$

$$x^2 - 4x + 5 = 0$$



$$\begin{cases} x^2 = x^2 \\ x \cdot x = 3 \end{cases}$$



$$\pi = 3.14159$$

90%+
के लक्ष्य
की ओर
एक कदम
आगे

आत्मविश्वास

समझ

रणनीति

अभ्यास

सफलता

गणित का डर खत्म...

आत्मविश्वास की शुरुआत

कक्षा 10 के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के लिए, जो गणित को सरल बनाकर बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन की मजबूत नींव तैयार करती हैं।

5 सिद्ध रणनीतियाँ,

जो गणित को सरल बनाकर बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन की मजबूत नींव तैयार करती हैं।



FOCUS
DISCIPLINE
SUCCESS



LS MAURYA

CLASS 10 MATHEMATICS SPECIALIST



स्पष्ट रणनीति



बेहतर समझ



सही अभ्यास



श्रेष्ठ प्रदर्शन



उज्ज्वल भविष्य

$$x^2 + 5x - 6 = 0$$

$$\frac{a}{b} + \frac{c}{d} = ?$$

$$2x + 3 = 11$$

$$\sqrt{x^2 + 1} = ?$$

$$x - y = ?$$



UNDERSTAND



PRACTICE



PROGRESS



CONFIDENCE



FORMULAS ?
CONCEPTS ?
PRACTICE ?
CONFUSION ?

TOO
DIFFICULT



I CAN
DO IT!

CONCEPTS
CLEAR
PRACTICE
SMART
SOLVE
WITH CONFIDENCE
SUCCESS
IN BOARD EXAM

Small Steps Today,
Big Results Tomorrow ☆

रहस्य 1

गणित का डर नहीं, गलत शुरुआत असली समस्या है

क्या आपका बच्चा गणित की किताब खोलते ही घबरा जाता है? क्या वह बार-बार कहता है, "मुझसे गणित नहीं होगी"? यदि हाँ, तो सबसे पहले एक बात समझ लीजिए—समस्या आपके बच्चे की बुद्धिमत्ता नहीं है, बल्कि उसकी गणित से हुई गलत शुरुआत है।

अधिकांश विद्यार्थी गणित से इसलिए नहीं डरते कि यह कठिन विषय है, बल्कि इसलिए क्योंकि किसी समय उनकी एक छोटी-सी कमजोरी को समय रहते सुधारा नहीं गया। एक अध्याय ठीक से समझ में नहीं आया, फिर दूसरा उससे जुड़ा हुआ था, और धीरे-धीरे पूरा विषय कठिन लगने लगा। यही छोटी-सी कमी आगे चलकर डर और आत्मविश्वास की कमी में बदल जाती है।

अच्छी खबर यह है कि गणित का डर स्थायी नहीं होता। सही मार्गदर्शन, सरल भाषा में अवधारणाओं की स्पष्ट समझ और छोटे-छोटे सफल अभ्यास किसी भी विद्यार्थी का आत्मविश्वास वापस ला सकते हैं। जब बच्चा एक प्रश्न स्वयं हल करता है, तो वह केवल उत्तर नहीं पाता—वह अपने मन में यह विश्वास भी बनाता है कि "मैं भी कर सकता हूँ।" यही विश्वास आगे चलकर बड़े परिणामों की नींव बनता है।

इसलिए आज से एक बदलाव कीजिए। अपने बच्चे से यह मत पूछिए कि उसने कितने प्रश्न हल किए। उससे पूछिए—"आज तुमने ऐसा क्या समझा, जो कल तक समझ में नहीं आता था?" यही प्रश्न सीखने की दिशा बदल देता है।

आज का छोटा Action Step:

किसी भी एक अध्याय की शुरुआत सबसे आसान प्रश्नों से करें। पहला सही उत्तर आपके बच्चे के आत्मविश्वास की पहली सीढ़ी बनेगा।



रहस्य 2

रोज़ 30 मिनट की सही पढ़ाई, घंटों की मेहनत से अधिक प्रभावी है

क्या आपका बच्चा परीक्षा के समय अचानक कई-कई घंटे पढ़ने बैठ जाता है, लेकिन फिर भी उसे लगता है कि तैयारी पूरी नहीं हुई? यदि ऐसा है, तो समस्या मेहनत की कमी नहीं, बल्कि पढ़ाई के तरीके की है।

गणित एक ऐसा विषय है जिसे एक ही दिन में नहीं जीता जा सकता। यह रोज़ थोड़ा-थोड़ा समझने, सोचने और अभ्यास करने से मजबूत होता है। जिस प्रकार रोज़ थोड़ा-थोड़ा पानी देने से पौधा हरा-भरा रहता है, उसी प्रकार प्रतिदिन केवल 30 मिनट का योजनाबद्ध अभ्यास भी विद्यार्थी के आत्मविश्वास में बड़ा बदलाव ला सकता है।

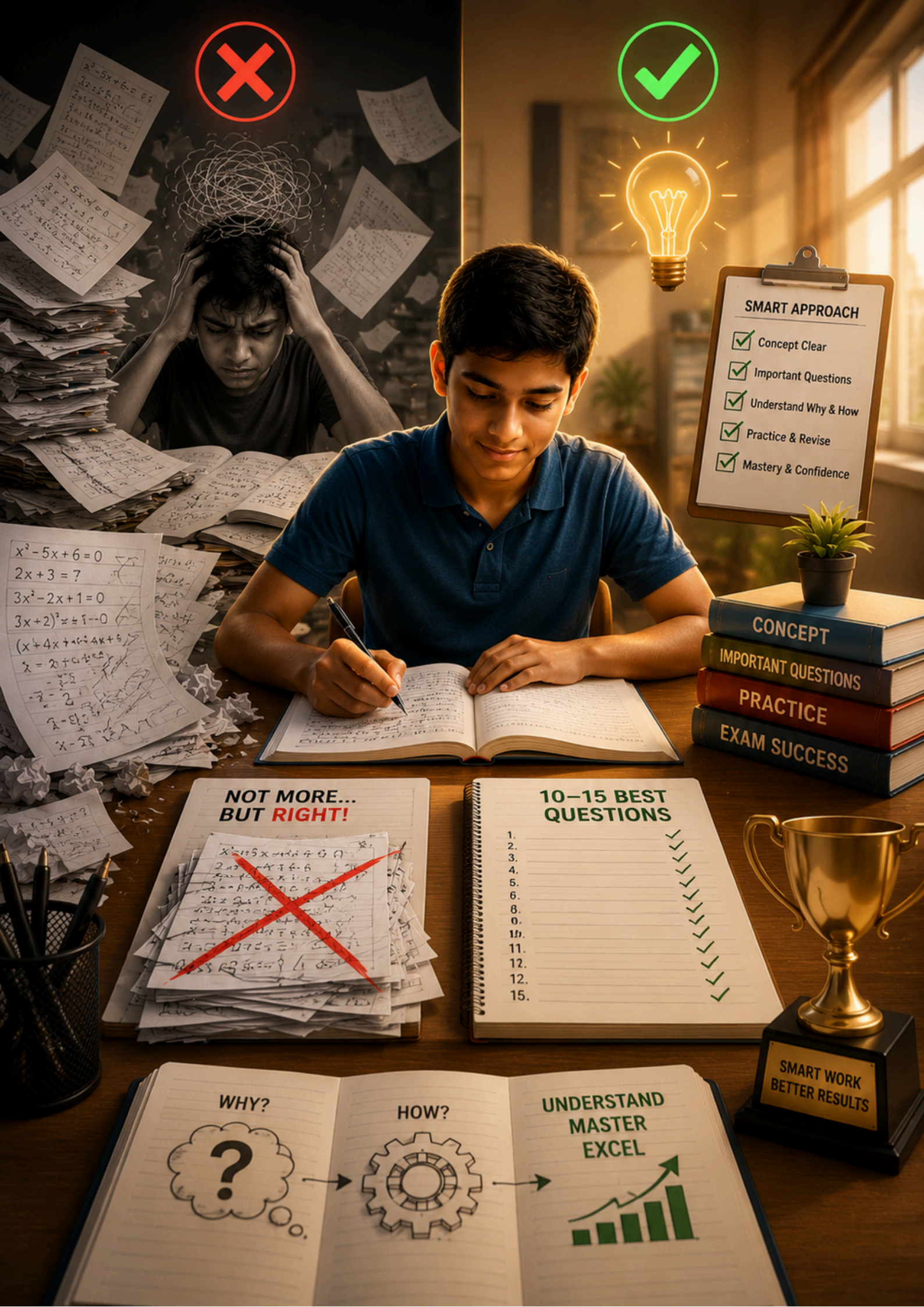
अधिकांश विद्यार्थी एक सामान्य गलती करते हैं—वे केवल परीक्षा के दिनों में अधिक समय पढ़ते हैं। इससे दिमाग पर अनावश्यक दबाव बढ़ता है और सीखी हुई बातें भी भूलने लगती हैं। इसके विपरीत, यदि विद्यार्थी प्रतिदिन निश्चित समय पर बैठकर एक छोटी-सी योजना के अनुसार पढ़ें, तो गणित धीरे-धीरे उसकी आदत बन जाती है, बोझ नहीं।

मेरे वर्षों के शिक्षण अनुभव में मैंने देखा है कि जो विद्यार्थी नियमित रूप से कम समय भी पढ़ते हैं, वे अक्सर उन विद्यार्थियों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं जो केवल अंतिम दिनों में लंबी पढ़ाई करते हैं। कारण सरल है—नियमितता, आत्मविश्वास को जन्म देती है और आत्मविश्वास, श्रेष्ठ प्रदर्शन को।

आज से एक छोटा-सा नियम बनाइए—हर दिन केवल एक अवधारणा समझिए, पाँच प्रश्न हल कीजिए और पिछले दिन का पाँच मिनट पुनरावर्तन कीजिए। कुछ ही सप्ताह में आपका बच्चा स्वयं महसूस करेगा कि गणित अब पहले जितना कठिन नहीं रहा।

आज का छोटा Action Step:

प्रतिदिन केवल 30 मिनट का "Math Confidence Time" तय करें। इस समय मोबाइल, टीवी और अन्य व्यवधानों से दूर रहकर केवल समझने और अभ्यास करने पर ध्यान दें।



SMART APPROACH

- ☒ Concept Clear
- ☒ Important Questions
- ☒ Understand Why & How
- ☒ Practice & Revise
- ☒ Mastery & Confidence

CONCEPT

IMPORTANT QUESTIONS

PRACTICE

EXAM SUCCESS

NOT MORE...
BUT **RIGHT!**

10-15 BEST
QUESTIONS

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.
- 6.
- 8.
- 9.
- 10.
- 11.
- 12.
- 12.
- 15.

WHY?



HOW?



UNDERSTAND
MASTER
EXCEL



रहस्य 3

अधिक प्रश्न नहीं, सही प्रश्न हल करना सफलता की असली कुंजी है

क्या आपका बच्चा रोज़ दर्जनों प्रश्न हल करता है, फिर भी परीक्षा के समय घबरा जाता है? यदि हाँ, तो संभव है कि वह ज़्यादा पढ़ रहा है, लेकिन सही दिशा में नहीं पढ़ रहा।

बहुत से विद्यार्थी यह मान लेते हैं कि जितने अधिक प्रश्न हल करेंगे, उतने अधिक अंक आएँगे। लेकिन बोर्ड परीक्षा केवल मेहनत नहीं, बल्कि स्मार्ट तैयारी भी माँगती है। हर अध्याय में कुछ ऐसे प्रश्न होते हैं जो पूरी अवधारणा (Concept) को समझा देते हैं। यदि विद्यार्थी पहले इन्हें अच्छी तरह समझ ले, तो उसी प्रकार के कई अन्य प्रश्न वह स्वयं हल करने लगता है।

मेरे अनुभव में, जो विद्यार्थी बिना सोचे-समझे सैकड़ों प्रश्न हल करते हैं, वे अक्सर जल्दी थक जाते हैं। वहीं जो विद्यार्थी सीमित लेकिन सही प्रश्नों का बार-बार अभ्यास करते हैं, उनकी गति, शुद्धता और आत्मविश्वास तीनों बढ़ते जाते हैं। यही कारण है कि परीक्षा में वे कम घबराते हैं और बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

याद रखिए, गणित का उद्देश्य केवल उत्तर तक पहुँचना नहीं है, बल्कि सोचने की सही प्रक्रिया विकसित करना है। जब बच्चा यह समझ जाता है कि किसी प्रश्न को हल क्यों और कैसे किया जाता है, तब वह केवल एक प्रश्न नहीं सीखता, बल्कि उसी प्रकार के अनेक प्रश्न हल करने की क्षमता विकसित कर लेता है।

इसलिए आज से प्रश्नों की संख्या गिनना बंद कीजिए। यह देखना शुरू कीजिए कि आपका बच्चा प्रत्येक प्रश्न से क्या नया सीख रहा है। यही सीख आगे चलकर बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन का आधार बनती है।

आज का छोटा Action Step:

हर अध्याय में केवल 10-15 सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न चुनिए। प्रत्येक प्रश्न का समाधान समझिए, दोहराइए और बिना देखे दोबारा हल करने का अभ्यास कीजिए। गुणवत्ता पर ध्यान दीजिए, केवल संख्या पर नहीं।

WRONG APPROACH

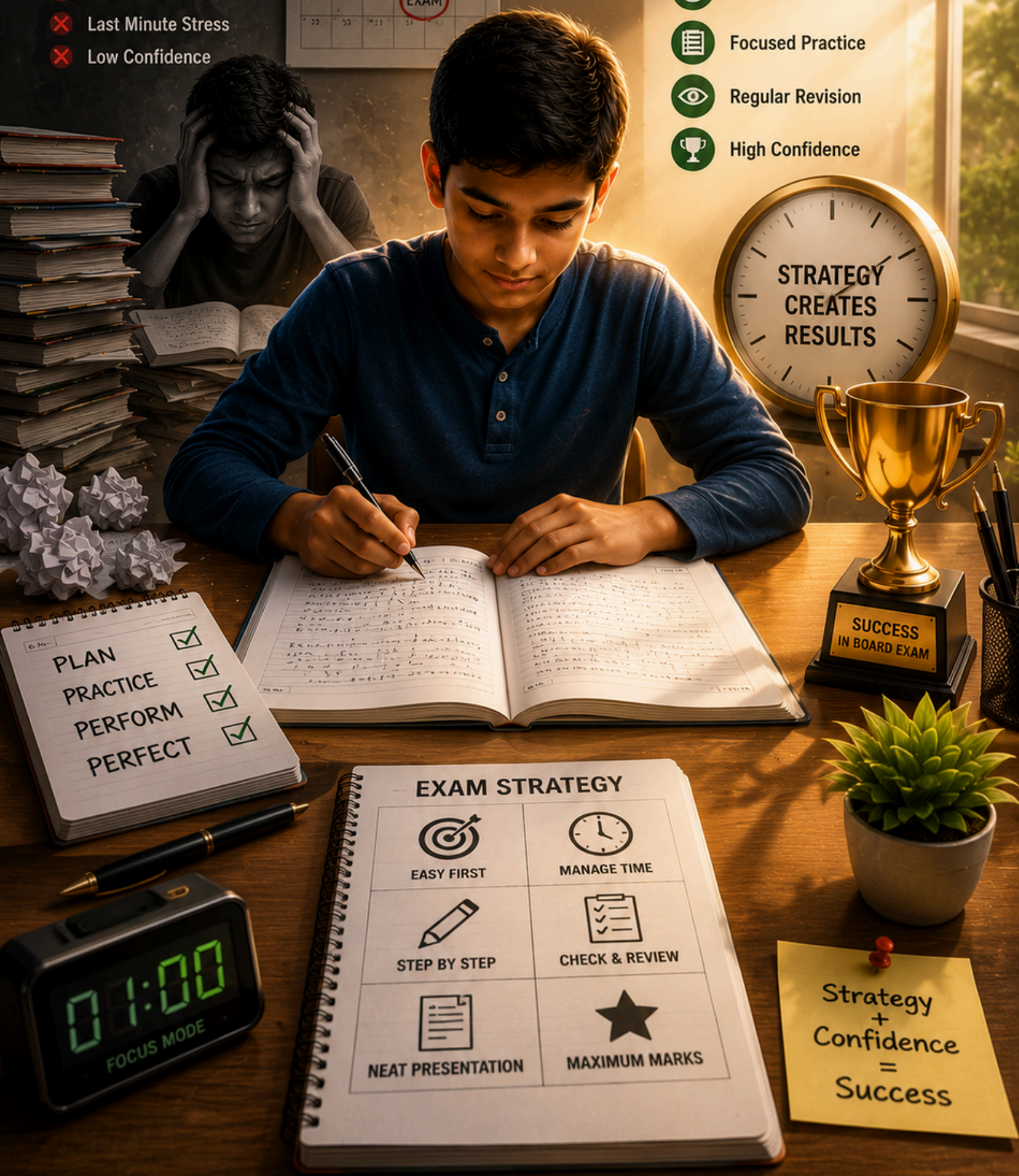
- ❌ Random Practice
- ❌ No Strategy
- ❌ Time Waste
- ❌ Last Minute Stress
- ❌ Low Confidence

EXAM DAYS



RIGHT APPROACH

- 🎯 Smart Study
- 🕒 Time Management
- 📅 Focused Practice
- 👁️ Regular Revision
- 🏆 High Confidence



रहस्य 4

केवल पढ़ाई नहीं, सही परीक्षा-रणनीति भी सफलता तय करती है

क्या आपने कभी देखा है कि दो विद्यार्थियों ने लगभग समान तैयारी की, लेकिन बोर्ड परीक्षा में एक के अंक दूसरे से कहीं अधिक आए? इसका कारण हमेशा अधिक ज्ञान नहीं होता। कई बार अंतर केवल परीक्षा देने की सही रणनीति का होता है।

बोर्ड परीक्षा केवल यह नहीं देखती कि विद्यार्थी को उत्तर आता है या नहीं, बल्कि यह भी देखती है कि उसने उत्तर कितनी स्पष्टता, शुद्धता और व्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत किया है। यही कारण है कि कई मेहनती विद्यार्थी भी अपेक्षित अंक नहीं ला पाते, जबकि कुछ विद्यार्थी अपनी तैयारी का पूरा लाभ उठा लेते हैं।

एक सफल विद्यार्थी परीक्षा शुरू होते ही घबराता नहीं। वह पहले पूरा प्रश्नपत्र ध्यान से पढ़ता है, आसान प्रश्नों से शुरुआत करता है और कठिन प्रश्नों के लिए समय बचाकर रखता है। वह प्रत्येक समाधान को चरणबद्ध (Step-by-Step) लिखता है, आवश्यक गणनाएँ स्पष्ट दिखाता है और अंत में पाँच से दस मिनट उत्तरों की जाँच के लिए अवश्य बचाता है। यही छोटी-छोटी आदतें मिलकर अंतिम परिणाम में बड़ा अंतर पैदा करती हैं।

याद रखिए, रणनीति का अर्थ शॉर्टकट नहीं, बल्कि अपनी तैयारी का सर्वोत्तम उपयोग करना है। यदि बच्चा परीक्षा जैसी परिस्थितियों में समय सीमा के भीतर अभ्यास करता है, तो वास्तविक बोर्ड परीक्षा में उसका आत्मविश्वास कई गुना बढ़ जाता है। तब वह केवल प्रश्न हल नहीं करता, बल्कि पूरे विश्वास के साथ अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करता है।

इसलिए आज से केवल पढ़ाई पर नहीं, बल्कि परीक्षा देने की कला पर भी ध्यान दीजिए। क्योंकि कई बार सफलता अधिक पढ़ने से नहीं, बल्कि सही तरीके से लिखने से मिलती है।

आज का छोटा Action Step:

सप्ताह में कम से कम एक बार 3 घंटे का बोर्ड जैसा अभ्यास (Mock Test) कराइए। समय सीमा का पालन करें, उत्तर साफ़ और चरणबद्ध लिखें, और अंत में 10 मिनट केवल उत्तरों की जाँच के लिए रखें।



FOCUS

PRACTICE

STRATEGY

CONFIDENCE

$$\begin{aligned} &= (x+2)^2 - x^2 \\ &= x^2 + 4x + 4 - x^2 \\ &= 4x + 4 \end{aligned}$$

$$\begin{aligned} x^2 - 5x + 6 &= 0 \\ (x-2)(x-3) &= 0 \\ x &= 2, 3 \end{aligned}$$

रहस्य 5

आत्मविश्वास ही 90%+ प्रदर्शन की सबसे मजबूत नींव है

क्या आपने कभी गौर किया है कि कुछ विद्यार्थी कठिन प्रश्न देखकर भी शांत रहते हैं, जबकि कुछ आसान प्रश्नों में भी घबरा जाते हैं? इसका कारण केवल ज्ञान नहीं, बल्कि आत्मविश्वास होता है।

आत्मविश्वास जन्म से नहीं मिलता। यह सही मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास और छोटी-छोटी सफलताओं से धीरे-धीरे विकसित होता है। जब कोई विद्यार्थी बार-बार सोचता है, "मुझसे नहीं होगा," तो उसका मन उसी पर विश्वास करने लगता है। लेकिन जब वह प्रतिदिन थोड़ा-थोड़ा सीखता है, अपनी गलतियों से सीखता है और छोटे लक्ष्य पूरे करता है, तो उसके भीतर एक नई आवाज़ जन्म लेती है—"मैं कर सकता हूँ।" यही विश्वास बोर्ड परीक्षा के दिन उसकी सबसे बड़ी ताकत बनता है।

एक बात हमेशा याद रखिए—अपने बच्चे की तुलना किसी दूसरे विद्यार्थी से कभी मत कीजिए। हर बच्चे की सीखने की गति अलग होती है। तुलना आत्मविश्वास कम करती है, जबकि प्रोत्साहन उसे नई ऊँचाइयों तक ले जाता है। एक अभिभावक का विश्वास और एक शिक्षक का सही मार्गदर्शन मिलकर वह परिवर्तन ला सकते हैं, जो केवल किताबें नहीं कर सकतीं।

मेरे अनुभव में, बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन केवल सबसे बुद्धिमान विद्यार्थी नहीं करते, बल्कि वे विद्यार्थी करते हैं जो स्वयं पर विश्वास करना सीख जाते हैं। ज्ञान प्रश्न हल करना सिखाता है, लेकिन आत्मविश्वास उन्हें सही समय पर सही ढंग से हल करने की शक्ति देता है।

आज का छोटा Action Step:

हर दिन पढ़ाई के बाद अपने बच्चे से केवल एक प्रश्न पूछिए—
"आज तुमने ऐसा क्या सीखा, जिस पर तुम्हें स्वयं पर गर्व हो?"
यही छोटा-सा प्रश्न उसके आत्मविश्वास को हर दिन थोड़ा और मजबूत बनाएगा।

अंतिम संदेश

गणित में सफलता किसी जादू का परिणाम नहीं है। यह सही मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास, स्मार्ट रणनीति और अटूट आत्मविश्वास का परिणाम है। यदि आप चाहते हैं कि आपका बच्चा केवल गणित में अच्छे अंक ही न लाए, बल्कि आत्मविश्वास के साथ बोर्ड परीक्षा में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करे, तो यही समय है सही दिशा में पहला कदम बढ़ाने का।

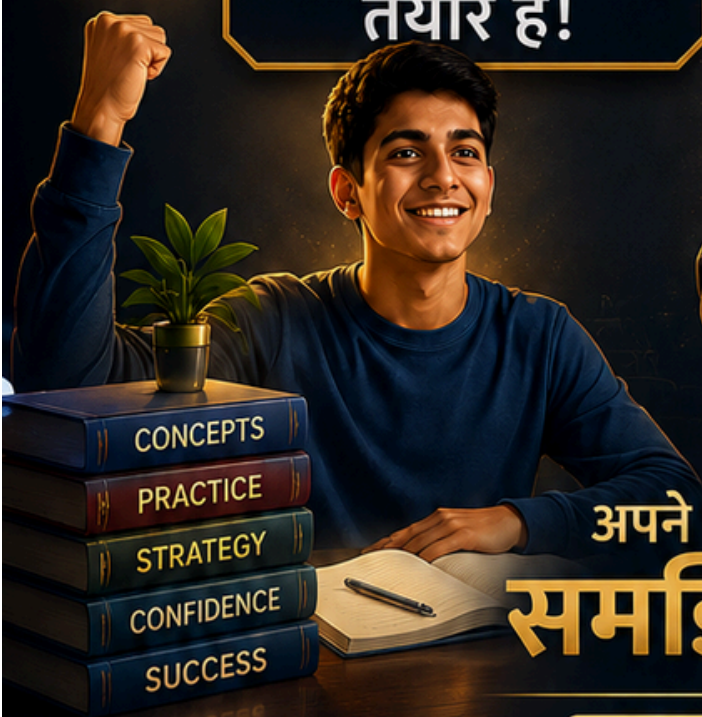
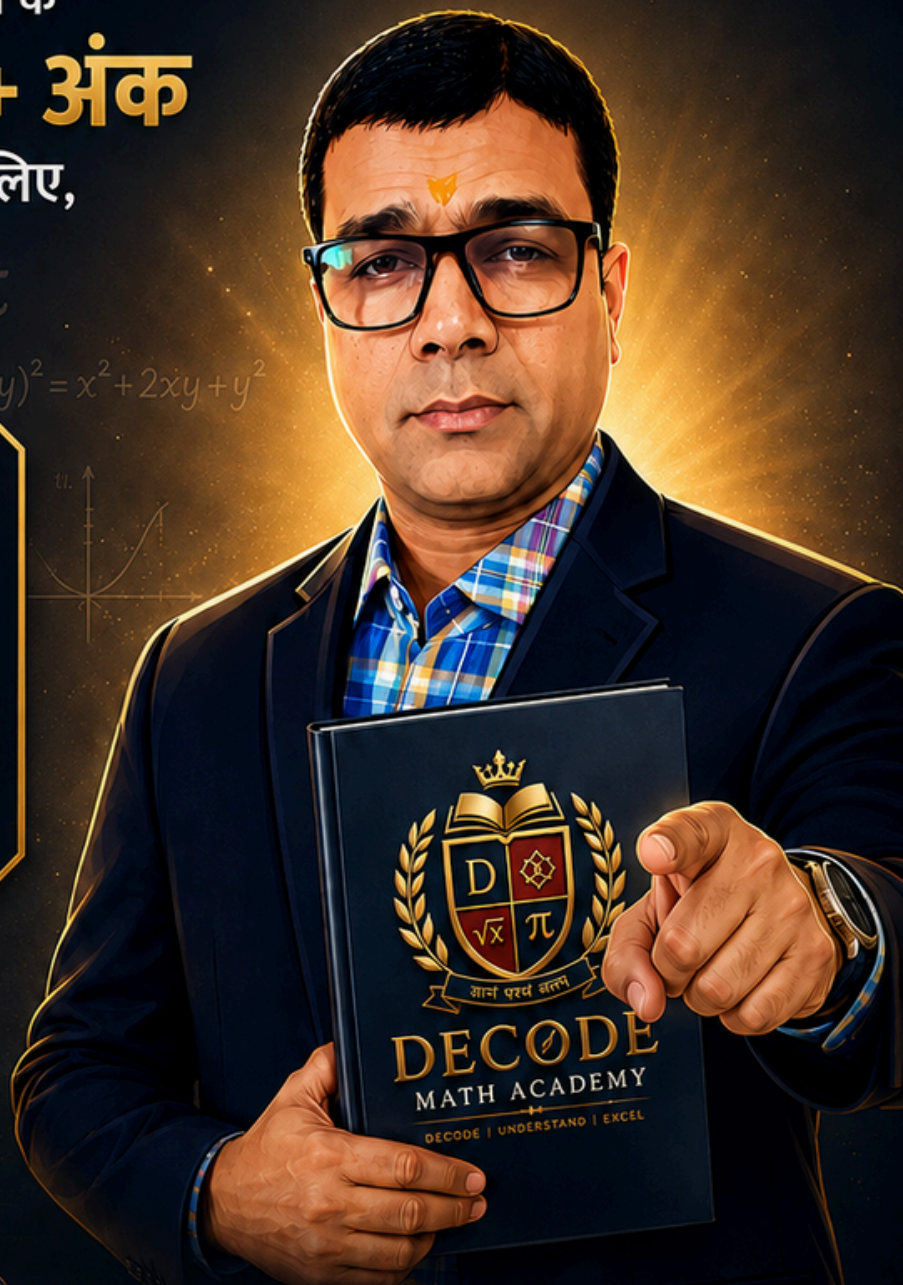
यदि आप तैयार हैं अपने बच्चे के
गणित में 90%+ अंक
की मजबूत शुरुआत के लिए,



तो आपके लिए
**एक बेहतरीन
उपहार**
तैयार है!

π

$$(x+y)^2 = x^2 + 2xy + y^2$$



अपने बच्चे का गणित
समझिए बेहतर
के साथ

LS MAURYA



कॉन्सेप्ट
क्लैरिटी



स्मार्ट
रणनीत



नियमित
अभ्यास



आत्मविश्वास
में वृद्धि



उत्कृष्ट
परिणाम



इस शानदार अवसर की जानकारी के लिए

अभी WhatsApp करें

9575025373

और ऑफर की जानकारी पाएं!



ऑफर
की पूरी
जानकारी पाएं

आइए, बच्चों की गणित यात्रा को बनाएं
आसान, आत्मविश्वासपूर्ण और सफल!